म्रासन्न v. r. सदू praef. म्रा.

म्रासंज m. (r. स vel सू generare s. म्र, v. म्रास्ति) vini adusti species, Wils. «Rum, spirit distilled from sugar or molasses». UR. 69.4.

স্লানাহ m. (r. सृ praef. স্লা s. স্ল) 1) incursus, incursio, impetus, impugnatio. Am. (= प्रसर्णा; Colebrookius vertit: surrounding a fee). 2) imber. Ur. 58.1. 59.16.: धारासाइ

म्रासीन (part. praes. ATM. a r. म्रासू s. ईन, pro म्रान, gr. 599.) sedens. BH. 9.9.

স্কান্তति f. (r. ਸ਼ s. ति) «distilling, distillation». HEM. (v. স্কান্তন)

म्राह्मर (fem. ई, ab म्रह्मर q.v. suff. म्र) as uricus, As urorum natura praeditus. BH. 7.15.9.12.16.20.

म्रास्त्राण n. (r. स्तृ vel स्तृ s. म्रत) 1) actio sternendi, expandendi. In. 5. 3. 2) stratum, lectus. SAK. 56. 2.

म्रास्तिका n. (ab म्रास्तिक qui futurum mundum, futuram vitam credit - ab म्रस्ति est s. क aut इक - s. य) Subst. abstr. futurum mundum, futuram vitam credere. BH.18. 42. (schol. म्रास्तिकाम् म्रस्ति परे। लोक इति निम्नयम् यम्).

म्रास्तीर्ण (r. स्तू s. त, gr. 609.) extensus, spatiosus, amplus. SA. 7.10.

স্থান্থা f. (r. न्या praef. স্থা) 1) conventus, coetus. Am. 2) nisus, cura. Am. (= যুন্তা; Hit. 16.6.

স্তাस্থান n. (r. स्था s. স্থন) conventus, coetus. Am. স্থান্থানী f. (Fem. praec.) id. Am. म्रास्पद n. (r. पद् praef. म्रा cum स् euphonico, s. म्र) locus. Hit. 31.14. Ur. 74.4.

স্কান্দালন n. (r. ন্দল্ল se movere s. স্থন) palpitatio, jactio. HIT. 35.3.: पादास्पालन

म्रास्य n. 1) os. 2) vultus, facies. A. 10.53. ubi म्रास्येय pro म्राष्ट्रिय legendum. (Lat. 6s).

সাহলার m. (r. হলারু praef. স্না gustare, s. স্ন) sapor. H. 1.20. Hir. 125.7.

म्रास्वादन n. (r. स्वाद् praef. म्रा s. म्रन) id. Hrr.31.18. म्रास्वादा v. स्वाद् praef. म्रा.

1. 羽茛 Interj.

2. म्राह dixi, dixit, v. म्रहू.

म्राहर्तृ m. (r. व्ह praef. म्रा adducere, afferre, conficere sacrificium, s. तृ) qui facit, conficit sacrificium. N. 12.45. 81.

সাহত্র m. (r. ক্ল sacrificare s. স্ন) 1) sacrificium. 2) pugna, proelium. A. 8. 2. (fortasse lith. kowá pugna).

知同で m. (r. 寝 s. 羽) 1) Adj. afferens. Sa. 4.22. 2) victus, cibus. Sa. 1.5. 5.68. N. 12.62. (cf. gr. 火がでする, 火のでなんか).

म्राङ्गति f. (r. ज्ञ s. ति) sacrificatio. Hem.

म्राहेय (ab म्रहि serpens s. एय) anguinus. Am.

म्राह्मय n. (r. ह्वे vocare s. म्र) nomen. Am.

সাল্লা (r. ल्ले mutato ए in স্না, v. gr. min. 353.) nomen. Am. সাল্লান n. (r. ल्ले vocare s. স্নন, v. gr. min. 353.) advocatio, invitatio. Hir. 128.5. (N. 7.8. cum ed. Calc. legendum est समाल्लानम् pro तम् স্নাল্লানम् )

इ

1. ई. 2. p. et praef. म्रिशि A. v. gr. 346. (praet. redupl. इयाय aut इयय, du. ईयिन, pl. ईयिम, v. gr. 694.; part. redupl. ईयिन्स. N.10.9.) ire. (Hoc verbum, sicut omnia alia ejusdem significationis in constructione cum substantivis abstractis saepissime verborum, quae adipisci aut simile quid significant, vice fungitur. Dici-

tur igitur ire ad gaudium, ad tristitiam, ad cogitationem etc.). BH. 4.9.8.7. N. 16.23. (Gr. εἶ-μι, ἴ-μεν, lat. eo, i-mus producto i, quam ob rem hoc verbum etiam ad ξ trahi posset; lith. ei-mi eo, slav. i-dû eo, i-ti ire; goth. anom. i-ddja ivi.)

c. म्रति 1) transire, transgredi, praeterire. RAM. ed. Ser